Time: 2 Hours **Max. Marks: 100**

ITI Paper -3, Allied Laws

(Objective Type) (Without Books)

4th September, 2024 (Shift 2 – 02.30 PM to 04.30 PM)

Important Instructions: All questions carry one mark each. For every incorrect attempt 1/8th mark shall be deducted. In case of any doubt, the English version may be taken as authentic. Wherever Assessment Year is not given, it may be taken as A.Y. 2024-25. In case of doubt in respect of the answer, choose the most appropriate option for the given question.

1.	Under the Civil Procedure Code, in which of the following case/s service shall be treated as sufficient – **Option I:** Service may be made to any adult member of the family, whether male or female, who is residing with the defendant. **Option II:** Service may be made to the servant of the family, whether male or female, who is residing with the defendant. Choose the correct answer given below based on the above options. a) Only Option I is Correct b) Only Option II is Correct c) Options I and II are correct d) Options I and II are Incorrect सिविल प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत निम्नलिखित मामला/मामलों में तामील को पर्याप्त माना जाएगा **विकल्प I** : प्रतिवादी के साथ रहने वाले, परिवार के किसी भी व्यस्क सदस्य, चाहे वह स्त्री हो या पुरूष, को तामील दी जा सकती है। **विकल्प II** : प्रतिवादी के साथ रहने वाले, परिवार के सेवक चाहे वह स्त्री हो या पुरूष, को तामील दी जा सकती है। उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर निम्नलिखित में सही उत्तर का चयन करें a) केवल विकल्प I सही है b) केवल विकल्प II सही है c) विकल्प I और II सही है d) विकल्प I और II गलत है
2.	As per the Civil Procedure Code, which of the following options is correct regarding endorsement of service of summons to the defendant– a) Time of Service to be noted b) Manner of service to be recorded c) Name and Address of the person served to be noted d) All the above सिविल प्रक्रिया संहिता के अनुसार प्रतिवादी के समन की तामील के पृष्ठांकन के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है – a) तामील के समय को नोट किया जाना चाहिए b) तामील की रिक्ति को रिकार्ड किया जाना चाहिए c) जिस व्यक्ति को दिया गया है उसका नाम और पता लिखा जाना चाहिए d) उपर्युक्त सभी
3.	Read the following statements from the Civil Procedure Code regarding the service of

	summons to the defendant - **Statement – I:** The Serving officer may deliver or tender a copy of the summons to the defendant personally, or to an agent or other person on his behalf. **Statement – II:** The Serving officer shall require the signature of the person to whom the copy is delivered, tendered, or served to acknowledge the service. Choose the correct answer given below based on the above statements. a) Statement I is Correct b) Statement II is Incorrect c) Statements I and II are Correct d) Statements I and II are Incorrect प्रतिवादी को दिए गए समन की तामील के संबंध मे सिविल प्रक्रिया संहिता के निम्नलिखित कथनों का पठन करें – **कथन I** : तामील करवाने वाला अधिकारी प्रतिवादी को व्यक्तिगत रूप से या उसके एजेंट या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति को समन की प्रति प्रदान या सुपुर्द कर सकता है। **कथन II** : तामील करवाने वाले अधिकारी को तामील की पावती के लिए उस व्यक्ति से हस्ताक्षर प्राप्त करने आवश्यकता हैं, जिसको उसने वह प्रति प्रदान, प्रस्तुत या उपलब्ध करवाई है। उपर्युक्त कथनों के आधार पर निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करें। a) कथन I सही है b) कथन II गलत है c) कथन I और II सही हैं d) कथन I और II गलत हैं
4.	Under the Civil Procedure Code, in which of the following case/s service shall be treated as sufficient – **Option I:** Service on any manager or agent, who, at the time of service, personally carries on business or work for the defendant. **Option II:** Service on the defendant's agent when such agent is empowered to accept service. Choose the correct answer given below based on the above options. a) Only Option I is Incorrect b) Only Option II is Incorrect c) Options I and II are correct d) Options I and II are Incorrect सिविल प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत निम्नलिखित मामला/मामलों में से तामील को पर्याप्त माना जाएगा – **विकल्प I** : किसी भी प्रबंधक या अभिकर्ता को तामील करवाना, जो तामील के समय व्यक्तिगत रूप से प्रतिवादी के लिए व्यापार या कार्य

	कर रहा हो **विकल्प II** : प्रतिवादी के अभिकर्ता को तामील करना, जब ऐसे अभिकर्ता को समन प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त हो उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर निम्नलिखित में सही उत्तर का चयन करें a) केवल विकल्प I गलत है b) केवल विकल्प II गलत है c) विकल्प I और II सही है d) विकल्प I और II गलत है
5.	Read the following statements from the Civil Procedure Code regarding the summons to produce the document – **Statement – I:** Any person may be summoned to produce a document, without being summoned to give evidence; **Statement – II:** Any person summoned merely to produce a document shall be deemed to have complied with the summons if he causes such document to be produced instead of attending personally to produce the same Choose the correct answer given below based on the above statements. a) Statement I is Correct b) Statement II is Incorrect c) Statements I and II are Correct d) Statements I and II are Incorrect सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत दस्तावेज़ प्रस्तुत करने के लिए तामील के संबंध में निम्नलिखित कथन पढ़ें:– **कथन I** : साक्ष्य प्रदान करने के लिए समन दिए बिना, किसी भी व्यक्ति को दस्तावेज़ प्रस्तुत करने के लिए समन दिया जा सकता है। **कथन II** : किसी व्यक्ति को जिसे केवल दस्तावेज़ प्रस्तुत करने के लिए समन किया गया है, यदि वह स्वयं उपस्थित होने के स्थान पर, केवल वांछित दस्तावेज़ प्रस्तुत करवा देता है, तो उसे समन की तामील माना जाएगा – उपर्युक्त कथनों के आधार पर निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करें a) कथन I सही है b) कथन II गलत है c) कथन I और II सही हैं d) कथन I और II गलत हैं
6.	Read the following statements from the Civil Procedure Code – **Statement – I:** Any Court may at any time for sufficient reason order that any particular fact or facts may be proved by affidavit.

	Statement – II: Affidavits shall be confined to such facts as the deponent is able of his own knowledge to prove. Choose the correct answer given below based on the above statements. a) Statement I is Correct b) Statement II is Incorrect c) Statements I and II are Correct d) Statements I and II are Incorrect सिविल प्रक्रिया संहिता में से निम्नलिखित कथनों का पठन करें – **कथन I** : कोई भी न्यायालय पर्याप्त कारणों के लिए किसी भी समय यह आदेश दे सकता है कि शपथ–पत्र द्वारा किसी विशेष तथ्य या तथ्यों को सिद्ध किया जाए। **कथन II** : शपथपत्रों को केवल ऐसे तथ्यों तक ही सीमित रखा जाएगा, जिन्हें शपथकर्ता कोई विशेष तथ्य या तथ्यों को स्वयं अपने ज्ञान से सिद्ध कर सकता हो। उपर्युक्त कथनों के आधार पर निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करें a) कथन I सही है b) कथन II गलत है c) कथन I और II सही है d) कथन I और II गलत है
7.	Which of the following statements is incorrect in respect of the powers of the Commissioner as per CPC – a) Examine documents relevant to the subject of inquiry. b) Enter upon or into any land or building. c) Examine the parties themselves. d) Examine any other person to give evidence in the matter referred to him. सिविल प्रक्रिया संहिता के अनुसार आयुक्त की शक्तियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा कथन गलत है – a) जांच के अधिन प्रासंगिक प्रलेखों का परीक्षण। b) किसी भवन या भूमि में प्रवेश। c) पार्टियों की जांच स्वयं करना। d) उसे सौंपे गए मामले में साक्ष्य प्रदान करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की जांच।
8.	Which of the following circumstances the summons may be treated as duly served on the defendant as per CPC? a) An acknowledgment signed by the defendant. b) An acknowledgment signed by the defendant's agent. c) An endorsement made by a postal employee that the defendant had refused to

	take delivery of the postal article containing the summons. d) All the above. सिविल प्रक्रिया संहिता के अनुसार निम्नलिखित में से किन परिस्थितियों में प्रतिवादी को समन विधिवत् दिया हुआ माना जाएगा – a) प्रतिवादी द्वारा हस्ताक्षरित पावती। b) प्रतिवादी के अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित पावती। c) डाक कर्मचारी द्वारा यह प्रतिपुष्टि कि जिस डाक लिफाफे मे समन या, प्रतिवादी ने उसे लेने से मना कर दिया। d) उपर्युक्त सभी।
9.	Read the following statements from the Civil Procedure Code regarding private alienation of property after attachment – **Statement – I:** Where an attachment has been made, any private transfer or delivery of the property attached or of any interest therein, dividend or other monies contrary to such attachment, shall be void as against all claims enforceable under the attachment. **Statement – II:** Any private transfer or delivery of the property attached or of any interest therein, made in pursuance of any contract for such transfer or delivery entered into and registered before the attachment is allowed. Please choose the correct answer given below based on the above statements. a) Statement I is Incorrect b) Statement II is Incorrect c) Statements I and II are Correct d) Statements I and II are Incorrect कुर्की के उपरांत संपत्ति के प्राईवेट अन्यसंक्रामण के संबंध में, सिविल प्रक्रिया संहिता में से निम्नलिखित कथनों का पठन करें – **कथन I** : जिन मामलों में कुर्की हो चुकी है, वहां उस संपत्ति के साथ संबंद्ध संपत्ति या उसमें निहित हित या डिविडेंट या कुर्की से विपरीतार्थ के निजी अंतरण या परिदान को कुर्की की शर्तों के बाध्यकारी होने के करण रद्द माना जाएगा। **कथन II** : कुर्क की गई संपत्ति का कोई निजी हस्तांतरण या परिदान या उसमे कोई हित जो कि कुर्की से पूर्व किए गए किसी करार के अनुपालन में किए गए ऐसे हस्तांतरण या परिदान और पंजीकरण की अनुमति है। उपर्युक्त कथनों के आधार पर निम्नलिख्त विवरणों में से सही विकल्प चुनें:– a) कथन I गलत है b) कथन II गलत है c) कथन I और II सही हैं d) कथन I और II गलत हैं

10.	Against which order/decree/decision, the application for a review of judgment can be filed by a person– a) By a decree or order from which an appeal is allowed, but from which no appeal has been preferred. b) By a decree or order from which no appeal is allowed. c) By a decision on a reference from a Court of Small Cases. d) All the above. किस आदेश/डिक्री/निर्णय के विरूद्ध, एक व्यक्ति द्वारा निर्णय के पुनरीक्षण के लिए आवेदन किया जा सकता है ? a) डिक्री या आदेश, जिसके द्वारा अपील की अनुमति होती है, लेकिन जिससे कोई अपील अधिमत नहीं हुई है। b) डिक्री या आदेश जिसके द्वारा अपील अनुमत नही होती। c) छोटे मामलों के न्यायालय के संदर्भ मे निर्णय द्वारा। d) उपरोक्त सभी।
11.	Which of the following statements is incorrect in respect of a Review application as per CPC – a) An application to review an order made on an application for a review shall be entertained. b) The decision on a review application shall be as per the majority opinion. c) Review application rejected due to absence of the applicant can be restored. d) When an application for review is granted, a note shall be made in the register. सिविल प्रक्रिया संहिता के अनुसार पुनरीक्षण आवेदन के संबंध में कौन सा विवरण सही नहीं है a) पुनरीक्षण आवेदन पर बने आदेश के पुनरीक्षण आवेदन पर विचार किया जाएगा। b) पुनरीक्षण आवेदन पर निर्णय अधिसंख्यक के विचार अनुसार होगा। c) आवेदक की अनुपस्थिति के कारण अस्वीकृत पुनरीक्षण आवेदन को पुनः प्रतिष्ठित किया जा सकता है। d) जब पुनरीक्षण के लिए आवेदन की अनुमति मिल जाएगी, तो रजिस्टर मे एक नोट लिखा जाएगा।
12.	What is a substituted service of summons as per the Civil Procedure Code? a) By affixing a copy in the Court-house. b) By affixing a copy in the house in which the defendant is known to have last resided or carried on business or personally worked for gain. c) Service by an advertisement in a local newspaper. d) All the above. सिविल प्रक्रिया संहिता के अनुसार समन के लिए कौन सी प्रतिस्थापित

	सेवा है ? a) न्यायालय–सदन मे एक प्रति लगाकर। b) घर मे प्रति लगाकर जिसमें विदित है कि प्रतिवादी आखिरी बार रहा होगा या लाभ के लिए व्यवसाय पर व्यक्तिगत रूप से कार्य किया हो। c) स्थानीय अखबार मे विज्ञापन द्वारा तामील। d) उपरोक्त सभी।
13.	Read the following statements from the Civil Procedure Code where a person fails to comply with the summons issued by the Court – **Statement – I:** The court may issue a proclamation requiring him to attend to give evidence or to produce the document at a time and place to be named therein. **Statement – II:** The Court may, in its discretion, issue a warrant, either with or without bail, for the arrest of such person. Choose the correct answer given below based on the above statements. a) Statement I is Incorrect b) Statement II is Incorrect c) Statements I and II are Correct d) Statements I and II are Incorrect सिविल प्रक्रिया संहिता से निम्नलिखित विवरण पढें जहां व्यक्ति कोर्ट द्वारा जारी समन का अनुपालन करने मे विफल रहता है – **विवरण I** : कोर्ट उस व्यक्ति को इसमे दिए गए समय और जगह पर साक्ष्य देने या दस्तावेज़ प्रस्तुत करने के लिए उपस्थित की आवश्यकता हेतु घोषणा जारी कर सकता है। **विवरण II** : कोर्ट स्वनिर्णय से ऐसे व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए जमानत के साथ या जमानत के बिना, वारंट जारी कर सकता है। उपर्युक्त विवरणों के आधार पर निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करें a) विवरण I गलत है b) विवरण II गलत है c) विवरण I और II सही हैं d) विवरण I और II गलत हैं
14.	Read the following statements from the Civil Procedure Code – **Statement – I:** A party who is not appealing from a decree may apply for a review of judgment notwithstanding the pendency of an appeal by some other party. **Statement – II:** The decision on a question of law on which the judgment of the Court is based has been reversed by the subsequent decision of a Superior Court in any other case, shall be a ground for the review of such judgment. Choose the correct answer given below based on the above statements. a) Statement I is Incorrect

	b) Statement II is Correct c) Statement I is Correct and Statement II is Incorrect d) Statements I and II are Incorrect सिविल प्रक्रिया संहिता से निम्नलिखित विवरण पढ़ें – **विवरण I** : एक पक्ष जो डिक्री के माध्यम से अपील नहीं कर रहा है, किसी अन्य पक्ष के अपील के अनिर्णय के बावजूद फैंसले के पुनरीक्षण के लिए आवेदन कर सकता है। **विवरण II** : कानून के सवाल पर निर्णय, जिस पर कोर्ट का फैंसला आधारित है, किसी अन्य मामले में उच्च न्यायालय के परवर्ती निर्णय से प्रतिवर्तित कर दी गई है, ऐसे फैसले के पुनरीक्षण का आधार होगा। उपर्युक्त विवरणों के आधार पर नीचे दिए गए सही उत्तर का चयन करें a) विवरण I गलत है b) विवरण II सही है c) विवरण I सही है और विवरण II गलत हैं d) विवरण I और II गलत हैं
15.	What is the significance of Section 14 of the Hindu Succession Act, 1956? a) It deals with the inheritance of property by converts to Hinduism. b) It defines the conditions under which a Hindu widow can remarry and retain her rights to her deceased husband's property. c) It provides for the conversion of limited estate of Hindu females into absolute estate. d) It determines the succession of property in case of deaths due to accidents. हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 14 का क्या अभिप्राय है ? a) यह हिंदू धर्म में परिवर्तित होने से संपत्ति के उत्तराधिकार से संबंधित है। b) यह उस शर्त पर परिभाषित करता है जिसमे एक हिंदू विधवा फिर से शादी कर सकती है और अपने मृत पति की संपत्ति मे अधिकार प्राप्त कर सकती है। c) यह हिंदू महिलाओं के लिए सीमित संपदा से पूर्ण संपदा मे परिवर्तन उपलब्ध कराता है। d) यह दुर्घटना के कारण हुई मृत्यु के मामले में संपत्ति का उत्तराधिकार होना निर्धारित करता है।
16.	Where a Hindu dies after the commencement of the Hindu Succession (Amendment) Act, 2005, his interest in the property of a Joint Hindu family governed by the Mitakshara law, shall devolve by :- i) Testamentary

	ii) Intestate succession, iii) By survivorship Which of the above is true a) (i) & (ii) are correct. b) (i) & (iii) are correct. c) (ii) & (iii) are correct. d) All are true. जहां हिंदू की हिंदू उतराधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2005 प्रारंभ करने के बाद मृत्यु हो जाती है, संयुक्त हिंदू परिवार की परिसंपत्ति मे उसका हिस्सा मिताक्षरा कानून द्वारा शासित होती है ..... द्वारा हस्तांतरित होगा। i) वसीयती ii) निर्वसियत उतराधिकार iii) उत्तरजीविता उपरोक्त मे से कौन सा सही है a) (i) और (ii) सही हैं b) (i) और (iii) सही हैं c) (ii) और (iii) सही हैं d) उपरोक्त सभी सही हैं
17.	**Statement I** - Under Mitakshara concept, coparcenary property is held in collective ownership by all the coparceners in a quasi-corporate capacity. **Statement II** - If a Mitakshara coparcener dies, immediately on his death his interest devolves on the surviving coparceners. Which of the above is true: a) I is correct. b) II is correct. c) Both are correct. d) Both are wrong. **विवरण I** : मिताक्षरा धारणा के तहत, अर्ध निगम के सामर्थ्य में सभी सहदायिकों द्वारा सहदायिकी संपत्ति सामूहिक स्वामित्व मे रहती है। **विवरण II** : यदि मिताक्षरा सहदायिक की मृत्यु हो जाती है तो उसकी मृत्यु पर तुरंत उसका हिस्सा जीवित सहदायिक को हस्तांतरित हो जाता है। उपरोक्त मे से कौन सा सही है a) I सही है

	b) II सही है c) दोनों सही हैं d) दोनों गलत हैं
18.	With reference to the history of ancient schools of law in India, which of the following statements is/are correct? 1. Mitakshara was the civil law for upper castes and Dayabhaga was the civil law for lower castes. 2. In the Mitakshara system, the sons can claim right to the property during the lifetime of the father, whereas in the Dayabhaga system, it is only after the death of the father that the sons can claim right to the property. 3. The Mitakshara system deals with the matters related to the property held by male members only of a family, whereas the Dayabhaga system deals with the matters related to the property held by both male and female members of a family. a) (1) and (2) b) (1) & (3) c) (2) Only d) (3) only भारत में कानून के प्राचीन विद्यालयों के इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा/से विवरण सही है ? 1. उच्च वर्ग के लिए मिताक्षरा सीविल कानून था और निम्न वर्ग के लिए दायभाग सिविल कानून था 2. मिताक्षरा पद्धति में, पिता के जीवनकाल के दौरान पुत्र संपत्ति पर अधिकार जता सकते है, जबकि दायभाग पद्धति में, पिता की मृत्यु के बाद ही पुत्र संपत्ति पर अधिकार जता सकते हैं। 3. मिताक्षरा पद्धति परिवार के सिर्फ पुरूष सदस्यों द्वारा रखी संपत्ति से संबंधित मुद्दों से संबंधित है जबकि दायभाग पद्धति परिवार के पुरूष और महिला दोनों सदस्यों द्वारा रखी संपत्ति से संबंधित मुद्दो से संबंधित है। a) (1) और (2) b) (1) और (3) c) केवल (2) d) केवल (3)
19.	The rights of a Coparcener to take by survivorship does not apply in the following scenarios. (i) Where the deceased Coparcener has sold or mortgaged his interest. (ii) Where the interest of deceased Coparcener has been attached during the lifetime of Coparcener in execution of decree against him. (iii)Where the interest of the deceased Coparcener has been vested in the Official Assignee or Receiver on his insolvency.

	Which of the above statements is TRUE. a) (i) and (ii) b) (i) and (iii) c) (i), (ii) and (iii) d) Only (i) निम्नलिखित सूरतों में उतरजीविता द्वारा प्राप्त करने का किसी सहदायिक का अधिकार लागू नहीं होता है। (i) जहां मृत सहदायिक ने अपना हिस्सा बेचा या गिरवी रखा है (ii) जहां मृत सहदायिक का हिस्सा उसके जीवनकाल में उसके विरूद्ध डिक्री के निष्पादन में जब्त कर लिया गया है (iii) जहां मृत सहदायिक का हिस्सा उसके दिवालियापन पर आधिकारिक प्रतितिधि या प्रापक में नीहित है उपरोक्त में से कौन सा विवरण सत्य है a) (i) और (ii) b) (i) और (iii) c) (i), (ii) और (iii) d) केवल (i)
20.	If 'A' has alienated joint Hindu property without any justifying necessity, before the birth of his grandson, then the grandson can file a suit against such alienation within …… years from date of such alienation? a) 10 b) 12 c) 6 d) 8 यदि A अपने पोते के जन्म से पूर्व, बिना किसी न्यायोचित आवश्यकता के उसे संयुक्त हिन्दु संपत्ति अन्यसंक्रामित कर देता है तो पोता अन्यसंक्रामण की तिथि से ..... वर्षो के भीतर ऐसे अन्यसंक्रामण के खिलाफ मुकदमा दाखिल कर सकता है। a) १० b) १२ c) ६ d) ८
21.	**Statement A**- The debt contracted by a manager for the purpose of joint family, is not binding on all Coparceners. **Statement B**- In such cases, the liability of a Coparcener shall cease upon subsequent partition. Which of the above statements are TRUE? a) A b) B

	c) A & B d) None of the above. **कथन A** – किसी प्रबंधक द्वारा संयुक्त परिवार के लिए अनुबंधित ऋण सभी सहदायिकों के लिए बाध्यकारी नहीं होता है। **कथन B** – ऐसे मामलों मे, किसी सहदायिक की देयता आगामी विभाजन के बाद समाप्त हो जाएगी। उपरोक्त में से कौन सा कथन सत्य है? a) A b) B c) A और B d) उपरोक्त में से कोई नहीं
22.	What is the legal concept of "pious obligation" in the context of Mitakshara coparcenary? a) The karta's duty to maintain unmarried daughters. b) To discharge his father's debts out of his ancestral property even if he had not been benefited by the debts. c) The obligation to share coparcenary property equally with siblings. d) The right of a coparcener to sell his/her share for personal needs. मिताक्षरा सहदायिकता के संदर्भ में ''धार्मिक कर्तव्य'' की कानूनी अवधारणा क्या है? a) कर्ता का कर्तव्य है कि वह अविवाहित बेटियों का भरण–पोषण करें। b) अपनी पैतृक संपत्ति में से अपने पिता के ऋणों का उन्मोचन करें चाहे उसे उस ऋण से लाभ प्राप्त न हुआ हो। c) अपने भाई–बहनों के साथ सहदायी संपत्ति की बराबर साझेदारी की अनिवार्यता। d) निजि आवश्यकताओं के लिए सहदायिक का अपना हिस्सा बेचने का अधिकार।
23.	Can a coparcener gift their share in coparcenary property to a non-coparcener? Choose the correct statement, a) Yes, a coparcener has full ownership rights to freely gift their share. b) Yes, a coparcener can make a gift of his undivided interest in the coparcenary property to a stranger with the prior consent of all other coparceners. c) No, gifting a coparcenary share severs the coparcenary altogether. d) Gifting of a coparcenary share is strictly prohibited to a stranger but not to other coparceners. कोई सहदायिक, सहदायी संपत्ति में से अपने हिस्से को किसी गैर सहदायिक को उपहार स्वरूप दे सकता है? कृपया सही कथन चुनें: a) हाँ, सहदायिक को अपना हिस्सा स्वतंत्रता पूर्वक उपहार में देने

	का पूर्ण स्वामित्व प्राप्त होता है। b) हाँ, कोई सहदायिक, सहदायी संपत्ति में से, अन्य सभी सहदायिकों की पूर्व सहमति से अपने अविभक्त भाग को उपहार के बतौर किसी अजनबी को दे सकता है। c) नहीं, सहदायी हिस्से को उपहार में देने से सहदायी पूर्ण रूप से अलग हो जाता है। d) किसी अजनबी को सहदायी संपत्ति उपहार स्वरूप देना निषिद्ध है परंतु अन्य सहदायिक को देना निषिद्ध नहीं है
24.	A coparcener, "X" contributes self-acquired funds towards the improvement of coparcenary property. Can "X" claim a separate share in the improved property proportionate to their investment? Consider the following statements. (i) If "X" used his own money to improve the coparcenary property, he generally cannot claim a separate share proportionate to his investment. (ii) The improved property remains coparcenary property, and all coparceners including "X" share ownership rights according to their individual share in the coparcenary. Which of the following options is correct:- a) Only (i) is correct. b) Only (ii) is correct. c) Both (i) & (ii) are correct. d) None is correct. एक सहदायिक X स्वर्जित निधि को सहदायी संपत्ति के अनुरक्षण के लिए निवेश करता है। क्या X अनुरक्षित संपत्ति में अपने निवेश किए गए हिस्से के अनुपात में पृथक हिस्से का दावा कर सकता है? निम्नांकित कथनों पर विचार करें : (i) यदि X ने सहदायी संपत्ति के अनुरक्षण के लिए अपने धन का उपयोग किया है, तो वह अपने इस निवेश के अनुपात मे पृथक हिस्से का दावा आमतौर पर नहीं कर सकता है (ii) विकसित संपत्ति सहदायी संपत्ति ही रहेगी एवं सभी सहदायी जिसमें X भी शामिल है, सहदायी में अपने व्यैक्तिक हिस्सेदारी के अनुसार स्वामित्व का अधिकार साझा करेगें। निम्नांकित में से कौन सा विकल्प सही है – a) केवल (i) सही है b) केवल (ii) सही है c) (i) और (ii) दोनों सही हैं d) कोई भी सही नहीं है
25.	You are the eldest son in a family with a coparcenary house. Your younger brother recently graduated and wants to move out for a job in another city. Can he claim his share of the house and sell it independently? (i) Yes, he can claim his share and sell it independently.

	(ii) He can discuss partition with you and other coparceners (parents) to divide the proceeds from selling the house or agree on a way for him to keep a share of ownership while living elsewhere. (iii)He cannot claim his share until your parents pass away. Please choose the correct option among the following:- a) (i), (ii) & (iii) all are correct. b) Only (i) is correct. c) Only (ii) & (iii) are correct. d) Only (ii) is correct. किसी सहदायी घर में रहने वाले परिवार के आप सबसे बड़े पुत्र है। आपका छोटा भाई हाल ही में स्नातक हुआ है और नौकरी के लिए किसी दूसरे शहर में जाना चाहता है। क्या वह घर के अपने हिस्से पर दावा कर इसे स्वायत्त रूप से बेच सकता है ? (i) हाँ, वह अपने हिस्से का दावा कर उसे स्वायत्त रूप से बेच सकता है। (ii) वह आपसे एवं अन्य सहदायिकों (माता–पिता) से घर की बिक्री से होने वाली आय को बांटने के लिए विभाजन के विषय में बात कर सकता है या कहीं और रहते हुए भी उसे स्वामित्व का अपना हिस्सा बनाए रखने पर सहमत किया जा सकता है। (iii)जब तक आपके माता–पिता की मृत्यु नहीं हो जाती वह अपने हिस्से का दावा नहीं कर सकता है। कृपया निम्नांकित में से सही विकल्प चुनें – a) (i), (ii) और (iii) सभी सही हैं b) केवल (i) सही है c) केवल (ii) और (iii) सही हैं d) केवल (ii) सही है
26.	**Scenario**: "A Mitakshara coparcenary property consists of a large ancestral home. Two brothers (A and B) are coparceners. Brother A lives in the house with his family, while Brother B lives in another city. Brother B wants to sell his undivided share in the house. However, Brother A wants to keep the house intact and refuses to buy B's share." **Question**: Under Mitakshara Law, what are Brother B's options in this situation? a) Brother B can initiate a partition suit in court, potentially leading to the sale of the entire house. b) Brother B has no option and must remain a coparcener with Brother A. c) Brother B can force Brother A to buy his share at a price determined by B. d) Brother B can gift his share to an outsider who can then force a sale of the house. **स्थिति** : ''किसी मिताक्षरा सहदायी संपत्ति में एक बड़ा पैतृक घर है।

	दो भाई (A एवं B) सहदायिक है। A अपने परिवार के साथ उस घर में रहता है, जबकि B किसी दूसरे शहर में रहता है। B घर में से अपने अविभक्त हिस्से को बेचना चाहता है। जबकि A घर को बरकरार रखना चाहता है और B के हिस्से को खरीदने से इंकार कर देता है'' **प्रश्न :** मिताक्षरा कानून के तहत, ऐसी स्थिति में B के समक्ष क्या विकल्प है ? a) B कोर्ट में बंटवारे की प्रक्रिया आरंभ करने के लिए याचिका दाखिल कर सकता है जिससे पूरे घर की बिक्री की संभावना बन जाएगी। b) B के समक्ष कोई विकल्प नहीं है और उसे A के समक्ष सहदायिक बने रहना होगा। c) B स्वयं तय किए गए दाम पर A के उपर उसका हिस्सा खरीदने का दबाव बना सकता है। d) B किसी बाहरी व्यक्ति को अपना हिस्सा उपहार के रूप में दे सकता है जो उसके बाद घर की बिक्री के लिए दबाव बना सकता है।
27.	Which of the following statements is true about the 'notional partition' as per the 2005 amendment to the Hindu Succession Act? a) It recognizes actual physical division of property. b) It is a theoretical division to calculate the share of deceased coparceners. c) It applies only to agricultural land to determine share of coparceners. d) It abolishes all physical partitions. हिंदू उतराधिकार अधिनियम, 2005 के संशोधन के अनुसार 'कल्पित बंटवारे' के विषय में निम्नांकित में से कौन सा कथन सत्य है ? a) यह संपत्ति के वास्तविक विभाजन को मानता है। b) यह मृत सहदायिकों के हिस्सों के आंकलन के लिए सैद्धांतिक विभाजन है। c) यह सहदायिकों की हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के लिए केवल कृषि भूमि पर ही लागू होता है। d) यह सभी भौतिक विभाजनों को समाप्त करता है।
28.	Under the Hindu Succession Act, who are considered to be 'agnates'? a) Blood relatives on the mother's side. b) Male relatives who are descendants from a common ancestor through the male line. c) Female relatives who are descendants from a common ancestor through the female line. d) Relatives by marriage. हिंदू उतराधिकार अधिनियम के तहत कौन 'गोत्रज' माने जाएंगे ? a) माँ के ओर के रक्त संबंधी। b) ऐसे पुरूष संबंधी जो पुरूष क्रम में एक ही पूर्वज के वंशज हों। c) ऐसी महिला संबंधी जो महिला क्रम में एक ही पूर्वज की वंशज

	हों। d) विवाह द्वारा संबंधी।
29.	Under Section 59 of the Indian Succession Act, 1925, what happens if a will executed by a Hindu, Buddhist, Sikh, or Jain is found to be invalid? a) The property reverts back to the state. b) The property of the deceased is distributed according to the rules of intestate succession. c) The court decides on the distribution of the property based on equitable principles. d) The property is divided among the legal heirs as per the preferences expressed in the invalid will. जब किसी हिंदू, बौद्ध, सिख या जैन द्वारा निष्पादित वसीयत अविधि मान्य पाई जाती है। तो भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 की धारा 59 के तहत क्या होता है? a) संपत्ति राज्य को वापिस चली जाती है। b) मृतक की संपत्ति गैर वसीहती उत्तराधिकार की विधि के अनुसार वितरित की जाएगी। c) न्यायसंगत सिद्धांतों के आधार पर कोर्ट संपत्ति के वितरण पर निर्णय लेगा। d) अमान्य वसीयत में उल्लिखित वरीयता के अनुसार संपत्ति कानूनी वारिसों के बीच विभाजित होगी।
30.	Please read following statements carefully: (i) A married woman may dispose by will of any property which she is legally allowed to alienate by her own act during her life. (ii) Persons who are deaf or dumb or blind are not thereby incapacitated for making a will if they are able to know what they do by it. (iii) A person who is ordinarily insane may make a will during interval in which he is of sound mind. (iv) No person can make a will while he is in such a state of mind, arising from illness, that he does not know what he is doing. Which of the above statements are correct? a) (i) b) (iv) c) (i) and (iv) d) All the above. निम्नांकित कथनों को कृपया पढें : (i) कोई विवाहित स्त्री किसी संपत्ति का वसीयत द्वारा व्ययन कर सकती है जिसकी उसे अपने जीवन काल में स्वयं से पृथक करने की अनुमति प्राप्त हुई हो (ii) गूंगें, बहरे या अंधे व्यक्ति, अपनी वसीहत लिखने के लिए इसलिए बाधित नहीं हो जाते यदि वह जानते कि इसके साथ

	उन्हें क्या करना है। (iii)एक व्यक्ति जो सामान्य तौर पर मानसिक रूप से बीमार है, अपने सही दिमागी संतुलन की स्थिति के दौरान वसीयत निर्माण कर सकता है (iv)ऐसा कोई व्यक्ति वसीयत नहीं बना सकता जो बीमारी से उत्पन्न हुई ऐसी मानसिक स्थिति में है कि वह नहीं जानता कि वह क्या कर रहा है। उपर्युक्त कथनों में से कौन सा कथन सही है? a) (i) b) (iv) c) (i) और (iv) d) उपर्युक्त सभी
31.	Please read following statements carefully: (i) A testator, being a prisoner by lawful authority, makes his will. The will is invalid by reason of the imprisonment. (ii) A testator, capable of exercising his own judgment, makes his will under intercession and persuasion by others. This will is invalid due to undue influence on the testator. (iii)B with a sole motive to obtain a legacy from A, pays him attention and flatters him. In consequence of such attention and flattery, A makes his will in the favour of B. Such will is invalid due to exercise of undue influence in the form of attention and flattery by the beneficiary. Which of the above statements is/are incorrect: a) (i). b) (ii). c) (iii). d) All the above. कृपया निम्नलिखित कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़ें: (i) एक वसीयतकर्ता विधिसम्मत प्राधिकारी द्वारा कैदी होते हुए अपनी वसीयत करता है। कारावास के कारण वसीयत अवैध है। (ii) एक वसीयतकर्ता अपने स्वयं के निर्णय के प्रयोग के लिए समर्थ है, वह अपनी वसीयत दूसरों की मध्यस्थता और समझाव–बुझाव के तहत करता है। यह वसीयत, वसीयकर्ता पर अनुचित प्रभाव की वजह से अवैध है। (iii) B, A से किसी पैत्रिक संपत्ति को प्राप्त करने के एकमात्र उद्देश्य से, उस पर ध्यान देकर उसकी चापलूसी करता है। ऐसे ध्यान आकर्षण और चापलूसी के परिणामस्वरूप, A अपनी वसीयत को B के पक्ष में बनाता है। ऐसी वसीयत ध्यान आर्कषण और चापलूसी के रूप में लाभार्थी द्वारा अनुचित प्रभाव डालने की वजह से अवैध है।

	उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से कथन सही नहीं है। a) (i) b) (ii) c) (iii) d) उपर्युक्त सभी
32.	Under the Indian Succession Act, 1925, which of the following powers is NOT typically vested in an executor or administrator of a deceased person's estate? a) The power to collect and manage assets of the deceased. b) The power to pay the deceased's debts and funeral expenses. c) The power to distribute the estate among the heirs according to the will or the laws of intestate succession. d) The power to amend the deceased's will to reflect changes in circumstances or preferences of the heirs. भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के तहत एक मृत व्यक्ति की सम्पदा के संबंध में किसी निष्पादक या प्रशासक को विशेष रूप से निम्नलिखित में से कौन सा अधिकार प्रदान नहीं किया गया है ? a) मृत व्यक्ति की सम्पदा के समाहरण और प्रबंधन का अधिकार। b) मृतक के ऋण और अंत्येष्टि व्यय को चुकाने का अधिकार। c) वसीयत के अनुसार या निर्वसीयत उत्तराधिकार कानून के अनुसार वारिसों के बीच सम्पदा के वितरण का अधिकार। d) वारिसों की प्राथमिकताओं या परिस्थितियों में परिवर्तन दर्शाने के लिए मृतक की वसीयत में संशोधन का अधिकार।
33.	A testamentary succession of a Hindu is governed by – a) Hindu Succession Act, 1956 b) Indian Succession Act, 1925 c) Transfer of Property Act, 1882 d) The Indian Trust Act, 1882 एक हिंदू के संबंध में वसीयती उत्तराधिकार ..... द्वारा शासित होता है– a) हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 b) भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 c) संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 d) भारतीय न्यास अधिनियम, 1882
34.	As per Section 306 of Indian Succession Act, 1925 all demands and all rights to prosecute or defend any action or special proceedings existing in favour of or against a person at the time of his decease survive to and against his executors or administrators. However, the exceptions are - a) Causes of action for defamation, assault as defined in Indian Penal Code.

	b) Causes of action for other personal injuries not causing the death of the party. c) Where after the death of the party, the relief sought could not be enjoyed or granting it would be nugatory. d) All the above. भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 की धारा 306 के अनुसार किसी व्यक्ति के पक्ष में या उसके विरूद्ध, उसकी मृत्यु के समय विद्यमान सभी मांगे, चाहे वे जो भी हो और किसी कार्रवाई या विशेष कार्यवाही को आगे चलाने या उसमें प्रतिरक्षा करने के सभी अधिकार उसके निष्पादक या प्रशासक को और उनके विरूद्ध समाप्त होते है। तथापि, इसके अपवाद है – a) भारतीय दण्ड संहिता में यथा परिभाषित मानहानि, हमले के लिए कार्रवाई के कारक। b) अन्य ऐसी वैयक्तिक क्षतियों जिससे किसी पक्षकार की मृत्यु न हो के लिए कार्रवाई के कारक। c) जहाँ पक्षकार की मृत्यु के पश्चात वांछित राहत का उपभोग न किया जा सके या इसकी मंजूरी निरर्थक होगी। d) उपर्युक्त सभी।
35.	A person is said to have died intestate in the case of a) Instant death b) Death without Will c) Death abroad d) None of the above. एक व्यक्ति निर्वसीयती की स्थिति में मृत कहा जाता है। a) अकस्मात मृत्यु b) बिना वसीयत के मृत्यु c) विदेश में मृत्यु d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
36.	The domicile of a Minor a) Never changes b) Is determined by his place of birth. c) Follows the domicile of the parent from whom he derived his domicile of origin. d) Changes with that of his parent even after his marriage as minor. एक अवयस्क का अधिकार a) कभी नहीं बदलता b) उसके जन्म स्थान द्वारा निर्धारित होता है c) उसके माता–पिता के अधिवास का अनुसरण करेगा, जिससे उसका मूल अधिवास व्युत्पन्न हुआ था। d) उसके अव्यस्क रहते हुए विवाह करने के पश्चात् उसमें

	माता–पिता द्वारा अधिवास परिवर्तन करने पर अधिवास परिवर्तन हो सकेगा/माना जाएगा
37.	Testamentary guardian is- a) A person appointed to protect a Will. b) A bank in whose locker the Will is kept guarding it. c) A Judge attesting the Will. d) A person appointed as guardian in a Will drawn by a father for his minor child. वसीयती संरक्षक है a) एक व्यक्ति जो वसीयत का संरक्षण करने हेतु नियुक्त किया गया है। b) एक बैंक जिसके लॉकर में सरंक्षण हेतु वसीयत रखी गई है। c) वसीयत को साक्ष्यांकित करने वाला न्यायाधीश। d) पिता द्वारा अपने अवयस्क बच्चे के लिए की गई एक वसीयत में सरंक्षक के रूप में नियुक्त कोई व्यक्ति।
38.	Under which section of "The Indian Succession Act, 1925", a father may by will appoint a guardian for his child during minority;- a) 59 b) 60 c) 61 d) 62 ''भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925'' की किस धारा के तहत एक पिता अपनी संतान की अव्यस्कता के दौरान, उसके लिए किसी संरक्षक की नियुक्ति कर सकता है। a) 59 b) 60 c) 61 d) 62
39.	Where the intestate has left widow and also lineal descendants, then:- a) One-fourth of the property shall belong to his widow and the remaining three-fourth shall go to his lineal descendents. b) One-thirds of the property shall belong to his widow and the remaining two-thirds shall go to his lineal descendents. c) Two-thirds of the property shall belong to his widow and the remaining one-thirds shall go to his lineal descendents. d) Property shall belong to his widow and his lineal descendents in equal proportions. जहाँ निर्वसीयती विधवा को और पारंपरिक वंशज को भी छोड़ गया है, तो :– a) उसकी संपत्ति का एक चौथाई हिस्सा उसकी विधवा का होगा

	और शेष तीन–चौथाई हिस्सा उसके पांरपरिक वंशजों को मिलेगा। b) उसकी संपत्ति का एक–तिहाई हिस्सा उसकी विधवा का होगा और शेष दो–तिहाई हिस्सा उसके पारंपरिक वंशजो को मिलेगा। c) उसकी संपत्ति का दो–तिहाई हिस्सा उसकी विधवा का होगा और शेष एक–तिहाई हिस्सा उसके पांरपरिक वंशजों को मिलेगा। d) उसकी संपत्ति उसकी विधवा और पांरपरिक वंशजों में बराबर हिस्सों में मिलेगी।
40.	When nobody applies for a letter of administration for the estate of a deceased Mohammedan who had not made a Will, the Court will issue the same to- a) A creditor of the deceased b) Any relative of the deceased c) Any person who is entitled to the whole or a part of the estate d) To the bankers of the deceased. जब कोई व्यक्ति किसी ऐसे मुस्लिम मृतक की संपत्ति के लिए प्रशासन पत्र का आवेदन नहीं करता जिसने कोई वसीयत नहीं बनाई तो न्यायालय उसे ____ को जारी करेगा – a) मृतक के लेनदार। b) मृतक के किसी संबंधी को। c) किसी व्यक्ति को जो संपूर्ण संपत्ति या उसके किसी भाग का हकदार है। d) मृतक के बैंकर को।
41.	Codicil according to India Succession Act, 1925 is: (i) An instrument made in relation to a Will, explaining, altering or adding to its dispositions. (ii) Copy of a will is deemed to be a part of the Will. (iii) Is deemed to be a part of the Will. Select the correct option from the following: a) (i) & (ii) are correct b) (i) & (iii) are correct c) (ii) & (iii) are correct d) (i), (ii) & (iii) are correct भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के अनुसार क्रोडपत्र हैः (i) वसीयत के संबंध में बनाया गया कोई दस्तावेज जिसके प्रावधानों में परिवर्तन या परिवर्धन को स्पष्ट किया गया है। (ii) वसीयत की प्रति को भी वसीयत का एक भाग माना जाएगा। (iii) वसीयत का एक भाग माना जाएगा। निम्नलिखित में से सही विकल्प का चयन करें

	a) (i) और (ii) सही हैं b) (i) और (iii) सही हैं c) (ii) और (iii) सही हैं d) (i), (ii) और (iii) सही हैं
42.	A Will can be revoked in the following manner: (i) By execution of a subsequent Will. (ii) By burning /tearing the Will. (iii) By some writing and declaring an interest to revoke the Will. (iv) Otherwise destroying the Will. Select the correct answer from the following: a) (i) and (ii) above b) (ii), (iii) and (iv) above c) (i), (ii), (iii) and (iv) above d) (i), (iii) and (iv) above. किसी वसीयत को निम्न में से किस तरह से रद्द किया जा सकता है ? (i) बाद में बनायी किसी दूसरी वसीयत को प्रस्तुत करके। (ii) वसीयत को फाड़कर या जलाकर। (iii) वसीयत को रद्द करने के हित में किसी लेख या घोषणा के माध्यम से। (iv) वसीयत को अन्यथा नष्ट करके। निम्न में से सही उत्तर का चयन करेः a) कथन (i) और (ii) b) कथन (ii), (iii) तथा (iv) c) कथन (i), (ii), (iii) तथा (iv) d) कथन (i), (iii) तथा (iv)
43.	When property is devolved upon specific heirs based on the will of the deceased, then it is called :- a) Intestate succession b) Testamentary succession c) Hereditary succession d) Succession by settlement मरने वाले व्यक्ति की वसीयत के आधार पर जब सम्पत्ति का हस्तांतरण कुछ निश्चित उत्तराधिकारों को किया जाता है तो यह कहलाता है :– a) निर्वसयती (बिना वसीयत के) उत्तराधिकार b) वसीयती उत्तराधिकार c) वंशागत उत्तराधिकार

	d) निपटान के द्वारा उत्तराधिकार
44.	The following documents shall be registered under Registration Act, 1908., if the property to which they relate is situate in a district in which, and if they have been executed on or after the date on which, Act No. XVI of 1864, is compulsory. a) Instrument of gift of immovable property b) Other non-testamentary instruments which purport or operate to create, declare, assign, limit or extinguish, whether in present or in future, any right, title or interest, whether vested or contingent, c) Of the value of one hundred rupees and upwards, to or in immovable property d) All of these पंजीकरण अधिनियम, 1908 के तहत निम्नलिखित दस्तावेज पंजीकृत किए जाएंगे, यदि वह संपत्ति जिससे वे संबंधित है, उस जिस जिले में स्थित है और यदि वे उस तारीख को या उसके पश्चात निष्पादित किए गए है जिस तारीख को अधिनियम XVI, 1864 लागू होता है– a) अचल संपत्ति के दान के दस्तावेज। b) अन्य गैर–वसीयती दस्तावेज जो वर्तमान या भविष्य में कोई अधिकार, शीर्षक या हित, चाहे निहित हो या आकस्मिक बनाने, घोषित करने, सौंपने, सीमित करने या समाप्त करने का दावा करते है या संचालित होते हैं। c) एक सौ रूपये या उससे अधिक मूल्य की अचल संपत्ति। d) ये सभी।
45.	When the parties set up competing titles to the property and the differences are resolved by a compromise which is recorded in writing :- a) The written compromise amounts to a document whereby one party is deriving title from the other requiring compulsory registration under section 17 of the Registration Act, 1908. b) The written compromise amounts to a document whereby one party is not deriving title from the other requiring compulsory registration under section 17 of the Registration Act, 1908. c) The written compromise amounts to a document whereby interest is created or declared by the document for the first time requiring compulsory registration under section 17 of the Registration Act, 1908. d) Either (a) or (c) जब पार्टियाँ सम्पत्ति को प्रतियोगी शीर्षक देती है और जब मतभेदों को सुलाह के माध्यम से हल किया जाता है तो लिखित में किसे रखा जाता है– a) वह लिखित समझौता एक दस्तावेज की कोटि में आता है जिसके द्वारा एक पार्टी अन्य, जिसमें रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 की धारा 17 के तहत पंजीकरण अनिवार्य हो, से शीर्षक ले रही है। b) वह लिखित समझौता एक दस्तावेज की कोटि में आता है

	जिसके द्वारा एक पार्टी अन्य, जिसमें रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 17 के तहत पंजीकरण अनिवार्य हो, से शीर्षक नहीं ले रही है। c) वह लिखित समझौता एक दस्तावेज की कोटि में आता है जिसके माध्यम से हित को उत्पन्न या घोषित उस दस्तावेज द्वारा किया जाता है जिसके लिए, रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा 17 के तहत प्रथम बार अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकता है। d) या तो (a) या (c)
46.	X executed a sale deed in favour of 'Y' on 1st January 2002. Subsequently on 10th January, 2002, X executed a sale deed in respect of the same property in favour of Z. Thereafter the sale deed in favour of Z executed on 10th January, 2002, was registered on 20th January, 2002. Whereas the sale deed in favour of Y was registered on 30thJanuary, 2002. In the said case, by virtue of section 47 a) The sale deed executed in favour of Y on 1st January, 2002 and registered on 30th January, 2002 shall have precedence and confer title on Y. b) The sale deed executed in favour of Z on 10th January, 2002 & registered on 20th January, 2002 shall have precedence and confer title on Z. c) Both the sale deeds shall be void. d) The sale deeds in favour of Y & Z shall remain valid to the extent of 50 % of the property. दिनांक 1 जनवरी, 2002 को X ने Y के पक्ष में एक बिक्री विलेख प्रस्तुत किया। इसके बाद दिनांक 10 जनवरी, 2002 को X ने उसी संपत्ति के लिए Z के पक्ष में एक बिक्री विलेख प्रस्तुत किया। इसके बाद वह बिक्री विलेख जो दिनांक 10 जनवरी, 2002 को Z के पक्ष में प्रस्तुत किया था, उसका पंजीकरण दिनांक 20 जनवरी, 2002 को किया गया। जबकि Y के पक्ष में बना बिक्री विलेख का पंजीकरण दिनांक 30 जनवरी, 2002 को किया गया। इसमें बताये केस में धारा 47 के आधार पर – a) वह बिक्री विलेख जो Y के पक्ष में दिनांक 1 जनवरी, 2002 को बनाया गया तथा दिनांक 30 जनवरी 2002 को पंजीकृत कराया गया अग्रता पाएगा और Y को उसका शीर्षक मिलेगा। b) वह बिक्री लेख जो Z के पक्ष में दिनांक 10 जनवरी, 2002 को बनाया गया तथा दिनांक 20 जनवरी, 2002 को पंजीकृत किया गया अग्रता पाएगा और Z को शीर्षक मिलेगा। c) दोनों बिक्री विलेख अमान्य माने जाएगें। d) Y और Z के पक्ष में बनाये बिक्री विलेख संपत्ति के 50% तक वैध रहेंगे।
47.	The object of section 47 of the Registration Act, 1908 is : a) To decide which of the two or more registered instruments in respect of the same property is to have effect.

	b) To decide which of the two-a registered document and dual agreement, in respect of the same property is to have effect. c) To decide which of the two – a registered instrument and an unregistered instrument-in respect of the same property is to have effect. d) All the above. रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 की धारा 47 का उद्देश्य हैः a) यह निर्णय लेना कि उक्त संपत्ति के संबंध में कौन से दो या अधिक पंजीकृत दस्तावेज प्रभावी होंगे। b) यह निर्णय लेना कि उक्त संपत्ति के संबंध में कौन से दो–एक पंजीकृत दस्तावेज और एक दोहरा अनुबध प्रभावी होंगे। c) यह निर्णय लेना कि उक्त संपत्ति के संबंध में कौन से दो–एक पंजीकृत दस्तावेज और एक अपंजीकृत दस्तावेज प्रभावी होंगे। d) उपर्युक्त सभी।
48.	Which of the following require compulsory registration under section 17(1)(b) of the Registration Act, 1908 :- a) An agreement by which the mortgage agrees to pay or the mortgagee agrees to accept interest at a rate, different than the one fixed by the registered mortgage deed. b) An agreement by which the period of redemption fixed by the mortgage deed is reduced or enhanced. c) An agreement to accept on redemption smaller amount than what is due under a registered mortgage deed. d) All of the above. इनमें से किसे रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 की धारा 17(1)(b) के तहत अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकता होती है – a) एक ऐसे अनुबंध को जिसके द्वारा बंधक भुगताान के लिए सहमत होता है या बंधकदार पंजीकृत बंधक विलेख से भिन्न किसी अन्य दर पर ब्याज लेने के लिए सहमत होता है। b) एक ऐसा अनुबंध जिसके द्वारा शोधन की अवधि, जिसे बंधक विलेख द्वारा निर्धारित किया गया है, को कम किया या बढ़ाया जाता हैं c) एक ऐसा विलेख जो पंजीकृत बंधक विलेख के अंतर्गत देय से अन्य छोटी राशि पर शोधन स्वीकारे। d) उपर्युक्त सभी।
49.	For which of the following documents, the registration is optional as per the Registration Act, 1908 a) Will b) Instruments acknowledging the receipt or payment of any consideration on account of the creation, declaration, assignment, limitation or extinction of any such right, title or interest. c) Instruments (other than wills) which purport or operate to create, declare,

	assign, limit or extinguish any right, title or interest to or in movable property. d) Leases of immovable property from year to year, or for any term exceeding one year, or reserving a yearly rent. रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 के तहत इनमें से किन दस्तावेजों के लिए पंजीकरण वैकल्पिक है– a) वसीयत b) उत्पत्ति, घोषणा, कर्तव्यभार, सीमितता या किसी ऐसे अधिकार, शीर्षक या हित के खत्म होने के कारण किसी प्रतिफल की प्राप्ति या भुगतान की स्वीकृति दिखाने वाले दस्तावेज। c) ऐसे दस्तावेज (वसीयत के अलावा) जिनका अर्थ है या जो कार्य करती है चल संपत्ति को उत्पन्न करने, घोषणा करने, कार्य सुपुर्द करने या अधिकार, शीर्षक या हित को समाप्त करने में। d) साल दर साल अचल संपत्ति के पट्टे, या एक साल से अधिक किसी अवधि के लिए या सालाना किराए को संचित करना।
50.	In order to get certificate of registration under section 60 of The Registration Act, 1908, document presented for registration have to comply with which of the following (i) Provisions of section 34 of the Registration Act, 1908 (ii) Provisions of section 35 of the Registration Act, 1908 (iii)Provisions of section 58 of the Registration Act, 1908 (iv)Provisions of section 59 of the Registration Act, 1908 Please choose the correct answer: a) Only (i) b) (i) and (ii) c) (i) and (iii) d) (i), (ii), (iii) and (iv) रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 की धारा 60 के तहत पंजीकरण का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए, पंजीकरण के लिए प्रस्तुत दस्तावेज इनमें से किस के अनुरूप होने चाहिए । (i) रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 की धारा 34 के उपबंध (ii) रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 की धारा 35 के उपबंध (iii) रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 की धारा 58 के उपबंध (iv) रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 की धारा 59 के उपबंध सही उत्तर चुनिएः a) केवल (i) b) (i) और (ii) c) (i) और (iii) d) (i), (ii), (iii) और (iv)
51.	Once the necessary condition for registration of any document is complied with, the

	document is endorsed in which of the following manner by the registering officer: a) The registering officer shall endorse a certificate containing the word "registered" and issue it online. b) The registering officer shall endorse a certificate containing the word "registered", and issue it offline. c) The registering officer shall endorse a certificate containing the word "registered", together with the number and page of the book in which the document has been copied. d) Once the stipulated condition in the provisions of sections 34,35,58 and 59 are met, the document is deemed registered and thus no need for registering officer to endorse such document. किसी दस्तावेज के पंजीकरण की सभी जरूरी शर्तें यदि एक बार पूरी हो जाएं जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा इनमें से किस तरह से दस्तावेज का पृष्ठांकन किया जाता है – a) रजिस्टीकर्ता अधिकारी ''पंजीकृत'' और लिखे हुए प्रमाण पत्र का पृष्ठांकन करेगा। b) रजिस्टरकर्ता अधिकारी प्रमाण–पत्र पर ''पंजीकृत'' शब्द पृष्ठांकित करें और उसे ऑफलाइन जारी करें। c) रजिस्टरकर्ता अधिकारी उस पर एक प्रमाण–पत्र का पृष्ठांकित करेगा जिसमें ''पंजीकृत'' शब्द लिखा होगा तथा साथ में उस पुस्तक की संख्या और पृष्ठांक होगा जिसमें दस्तावेज की प्रतिलिपि रखी गई है। d) एक बार जब धारा 34,35,58 और 59 के उपबंधों में अनुबंधिता की स्थिति है, वहाँ दस्तावेत पंजीकृत माने जाते हैं इसलिए ऐसे दस्तावेजों को रजिस्टरकर्ता अधिकारी को पृष्ठांकित करने की आवश्यकता नहीं है।
52.	In whose presence the sealed cover deposited by testator under section 42 of the Registration Act, 1908, is opened, on the death of testator: a) The applicant b) Authorised agent of testator c) Registrar in presence of two government official above the rank of secretary to government of India d) None of the above पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) अधिनियम, 1908 की धारा 42 के अंतर्गत वसीयतकर्ता की मृत्यु होने पर वसीयतकर्ता द्वारा सील कवर में जमा दस्तावेज किसकी उपस्थिति में खोले जाते है– a) आवेदनकर्ता b) वसीयतकर्ता के प्राधिकृत एजेंट c) भारत सरकार के सचिव पद से ऊपर रैंक के दो सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में रजिस्ट्रार। d) उपरोक्त में से कोई नहीं

53.	Under section 41 of the Registration Act, 1908, the basic difference in registration of a will and an authority to adopt are as under: a) Both are registered in the same manner as any other document. b) In case of will, the registration is done at the Registrar office, where as in case of authority to adopt, the registration is done at District Collector office. c) In case of will, the Registering officer shall endorse thereon a certificate containing the word "registered", together with the number and page of the book in which the document has been copied, where as in case of authority to adopt the registering officer shall endorse a certificate after notifying the document in public domain for 30 days. d) None of the above. पंजीकरण अधिनियम 1908 की धारा 41 के अंतर्गत वसीयत के पंजीकरण और दत्तक ग्रहण प्राधिकार में मूल अंतर निम्न प्रकार हैः– a) किसी भी अन्य दस्तावेजों की तरह दोनों पंजीकृत होंगे। b) वसीयत के मामले में, पंजीकरण रजिस्ट्रार कार्यालय में किया जाता है। दत्तक ग्रहण प्राधिकार के मामले में पंजीकरण जिला क्लैक्टर कार्यालय में किया जाता है। c) वसीयत के मामले में, रजिस्टरकर्ता अधिकारी उस पर एक प्रमाण–पत्र पृष्ठांकित करेगा, जिस पर 'पंजीकृत' शब्द लिखा होगा तथा साथ में उस पुस्तक की संख्या और पृष्ठांक होगा जिसमें दस्तावेज की प्रतिलिपि लगाई गई हैं, जबकि दत्तक ग्रहण प्राधिकार के मामले में रजिस्टरकर्ता 30 दिन के लिए जन अधिकार क्षेत्र में दस्तावेजों को अधिसूचित करने के पश्चात प्रमाण–पत्र पृष्ठांकित करेगा। d) उपरोक्त में से कोई नहीं।
54.	As per Section 16 of the Registration Act, 1908 the Government is to provide which of the following things to the offices of registering authority for keeping the records in safe custody. a) Lockers b) Strong rooms c) Fire proof boxes d) Security forces पंजीकरण अधिनियम 1908, की धारा 16 के अनुसार सरकार रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयों में रिकार्ड को सुरक्षित रखने के लिए निम्न में से कौनसी वस्तुऐं उपलब्ध करवाती है– a) लॉकर b) स्ट्राँग रूम c) अग्नि–सह पेटी d) सुरक्षा बल

55.	Section 40 of the Registration Act refers to: a) Documents which are irrevocable and have binding effect. b) Documents which can be revoked at any moment and have no binding effect even after the death of the executant. c) Documents which can be revoked at any moment and have no binding effect till the death of the executant. d) Persons entitled to present Wills. पंजीकरण अधिनियम की धारा 40 किससे संबंधित है :– a) दस्तावेज जिसमें अप्रतिसंहरणीय एवं आबद्धकारी प्रभाव हो। b) दस्तावेज जिसे किसी भी क्षण रद्द किया जा सकता है तथा निष्पादक की मृत्यु के बाद भी कोई आबद्धकारी प्रभाव न हो। c) दस्तावेज जिसे किसी भी क्षण रद्द किया जा सकता है तथा निष्पादक की मृत्यु तक कोई आबद्धकारी प्रभाव न हो। d) वर्तमान वसीयत पर व्यक्तियों का हक।
56.	As per section 42 of the Registration Act, 1908, the manner in which the will is to be deposited with the Registrar is as under: a) In a sealed cover super scribed with the name of the testator and that of his agent (if any). b) In a sealed cover super scribed with the name of the testator and that of his legal heir (if any). c) In a sealed cover super scribed with the name of the testator and that of his agent (if any) along with statement of the nature of the document. d) None of the above. पंजीकरण अधिनियम 1908, की धारा 42 के अनुसार वसीयत नीचे दी गई किस विधि से रजिस्ट्रीकर्ता को जमा की जाएगी। a) एक मुहरबंद लिफाफे में, जिसके ऊपर वसीयतकर्ता और उसके एजेंट (यदि हो तो) का नाम लिखा हो। b) एक मुहरबंद लिफाफे में, जिसके ऊपर वसीयतकर्ता और उसके विधिक उत्तराधिकार (यदि हो तो) का नाम लिखा हो। c) एक मुहरबंद लिफाफे में, जिसके ऊपर वसीयतकर्ता का नाम और एजेंट (यदि हो तो) का नाम लिखा हो तथा दस्तावेज़ की प्रकृति का भी विवरण लिखा गया हो। d) उपरोक्त में से कोई नहीं।
57.	According to RTI Act 2005 the definition of "competent authority" covers- (i) The Speaker in the case of the House of the People or the Legislative Assembly of a State or a Union territory having such Assembly and the Chairman in the case of the Council of States or Legislative Council of a State. (ii) The Chief Justice of the High Court in the case of a High Court. (iii) The administrator appointed under article 239 of the Constitution.

	a) (iii) only b) (i) and (iii) only c) None of the above d) All of the above सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अनुसार ''सक्षम प्राधिकारी'' से अभिप्रेत है– (i) लोक सभा या किसी राज्य की विधान सभा की या किसी ऐसे संघ राज्य क्षेत्र की, जिसमें ऐसी सभा है, दशा में अध्यक्ष और राज्य सभा या किसी राज्य की विधान परिषद की दशा में सभापति (ii) किसी उच्च न्यायालय की दशा में उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायमूर्ति (iii) संविधान के अनुच्छेद 239 के अधीन नियुक्त प्रशासक a) केवल (iii) b) केवल (i) एवं (iii) c) उपरोक्त में से कोई नहीं d) उपरोक्त सभी
58.	According to the RTI Act 2005, which of the following is correct? A. If the information asked for is too big, it can be denied and rejected on the ground that information asked for is too big. B. Information could be provided in the form in which it is requested for unless it disproportionately diverts the resources of the public authority. C. The Act does not put any restrictions on the amount of information that can be asked for through one application. a) C only b) All of the above c) A and C only d) B and C only सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अनुसार निम्न में से कौन सा सही है ? A. यदि मांगी गई सूचना बहुत बड़ी है तो, इसे इस आधार पर खारिज किया जा सकता है कि मांगी गई सूचना बहुत बड़ी है। B. जिस प्रारूप में निवेदन किया गया है, सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है, जब तक कि वो जन–प्राधिकारी के स्रोतों का असंगत अपवर्तन न कर दे। C. अधिनियम सूचना की मात्रा पर कोई रोक नहीं लगाता जिसे एक आवेदन द्वारा माँग जा सके। a) केवल C b) उपरोक्त सभी

	c) केवल A और C d) केवल B और C
59.	Which of the information is not exempted under Section 8 of the RTI Act 2005? a) Information available in fiduciary relationship. b) Information received in confidence from foreign Governments. c) Information on matters which are sub-judice. d) Information which impede the process of investigation. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 8 के अंतर्गत कौन सी सूचना पर छूट नहीं है। a) वैश्वासिक संबंधों से उपलब्ध सूचना। b) विदेशी सरकारों से प्राप्त गोपनीय सूचना। c) न्यायाधीन मामलों से संबंधित। d) जाँच प्रक्रिया में बाधा डालने वाली सूचना।
60.	Which of the following are correct with regard to disposal of RTI application by Public Information Officer? A. The answering Public Information Officer should check whether the information sought or a part thereof is exempt from disclosure under Section 8 or Section 9 of the Act. B. Request in respect of the part of the application which is so exempt may be rejected and rest of the information should be provided immediately or after receipt of additional fees, as the case may be. C. If no part of the information sought, is available with it but is scattered with more than one other public authorities, it is not necessary that the Public lnformation Officer should inform the applicant that information is not available with the public authority. D. Where a request for information is rejected, the Public Information Officer should communicate to the person making the request (i) the reasons for such rejection; (ii) the period within which an appeal against such rejection may be preferred; and (iii) the particulars of the authority to whom an appeal can be made. a) A and C only b) All the above c) A, B and D only d) B and D only लोक सूचना अधिकारी द्वारा आर.टी.आई आवेदन के निपटान के संबंध में निम्न में से कौन सा सही है ? A. उत्तर देने वाले लोक सूचना अधिकारी को यह जाँच कर लेनी चाहिए कि क्या माँगी गई सूचना अथवा उसमें कोई भाग

	अधिनियम की धारा 8 या 9 के अंतर्गत प्रकट करने से छूट प्राप्त है। B. मांगी गई सूचना का वह भाग, जो प्रकटीकरण से छूट प्राप्त है, उसे अस्वीकार किया जा सकता है तथा बाकी मांगी गई सूचना तुरंत, या अतिरिक्त शुल्क प्राप्त करके (जैसी भी स्थिति हो) उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। C. यदि मांगी गई सूचना का कोई भी भाग उपलब्ध नहीं है और एक से अधिक जन सूचना अधिकारियों के पास उपलब्ध होने की संभावना है, तो यह आवश्यक नहीं है कि जन सूचना अधिकारी आवेदक को सूचित करे कि, मांगी गई सूचना उपलब्ध नहीं है। D. यदि सूचना आवेदन रद्द किया जाता है तो, जन सूचना अधिकारी आवेदक को सूचित करेंगे – (i) आवेदन निरस्त करने का कारण (ii) ऐसी समयावधि जिसमें, अस्वीकरण के विरूद्ध अपील की जा सकती है, तथा (iii) उस प्राधिकारी का विवरण, जिसके समक्ष अपील की जा सकती है।। a) केवल A एवं C b) उपरोक्त सभी c) केवल A, B और D d) केवल B और D
61.	Which of the following is not correct under RTI Act 2005? a) A person, who desires to obtain any information under this Act, shall make a request in writing or through electronic means in English or Hindi or in the official language of the area in which the application is being made, accompanying such fee as may be prescribed. b) The information seeker is required to give reasons for seeking information. c) The applicant shall not be required to disclose any other personal details except those that may be necessary for contacting him. d) Where access to information is to be provided in the printed or in any electronic format, the applicant shall pay such fee as may be prescribed. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के संबंध में निम्नलिखित में से कौन–सा सही नहीं है? a) एक व्यक्ति, जो इस अधिनियम के तहत सूचना प्राप्त करना चाहता है उसे लिखित रूप में या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अंग्रेजी, हिंदी या उस क्षेत्र की राजभाषा में निर्धारित शुल्क के साथ आवेदन करना होगा। b) सूचना प्रार्थक को चाहिए कि वह सूचना प्राप्ति के कारण बताए। c) आवेदक को चाहिए कि वह अन्य व्यक्तिगत ब्यौरा साझा न करे सिवाय उतना कि उससे संपर्क करने के लिए आवश्यक हो। d) जहाँ सूचना मुद्रित या किसी इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में दी जानी है, वहाँ आवेदक को निर्धारित शुल्क अदा करना होगा।

62. With regard to disposal of RTI application under RTI Act 2005, which of following match is correct?

A. Transfer of application to other public authority under section 6(3) of the Act.	1. Within 5 Days
B. Supply of information in normal course.	2. Within 48 Days
C. Supply of information if it concerns the life or liberty of a person.	3. Within 30 Days

a) A-3, B-2, C-1
b) A-1, B-2, C-3
c) A-3, B-1, C-2
d) A-1, B-3, C-2

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005, सूचना का अधिकार आवेदन के निपटारे के संबंध में, निम्नलिखित में से कौन–सा मिलान सही है ?

A. अधिनियम की धारा 6(3) के तहत आवेदन को किसी अन्य लोक प्राधिकारी को स्थानांतरित करना	1. 5 दिन के अंदर
B. सामान्य प्रक्रिया में सूचना की आपूर्ति	2. 48 दिन के अंदर
C. किसी व्यक्ति के जीवन या स्वतंत्रता से संबंधित सूचना की आपूर्ति	3. 30 दिन के अंदर

a) A-3, B-2, C-1
b) A-1, B-2, C-3
c) A-3, B-1, C-2
d) A-1, B-3, C-2

63. While disposing the RTI application, a decision is taken to provide the information on payment of any further fee representing the cost of providing the information, the CPIO, as the case may be shall-

(i) Send an intimation to the person making the request to deposit the calculated fees.
(ii) Provide the details of further fees representing the cost of providing the information as determined by him, together with the calculations made to arrive at the amount in accordance with fee prescribed under sub-section (1) of section 7 of the Act.
(iii) Informing that the period intervening between the despatch of the said intimation and payment of fees shall be excluded for the purpose of calculating the period of thirty days.
(iv) Informing the concern of his or her right with respect to review the decision as to the amount of fees charged or the form of access provided, including the particulars of the appellate authority, time limit, process and any other forms.

	a) All of the above. b) (ii) and (iii) c) (i), (ii) and (iv) d) (i), (ii) and (iii) सूचना का अधिकार आवेदन के निपटारे के दौरान, सूचना आपूर्ति की लागत को दर्शाने वाला अन्य आगे के शुल्क के भुगतान करने पर सूचना प्रदान करने का निर्णय लिया जाता है, मुख्य जनसूचना अधिकारी (सीपीआईओ), जो भी स्थिति हो, करेगा – i) उस व्यक्ति को परिकलित शुल्क जमा करने का आग्रह करते हुए सूचना भेजेगा। ii) अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट शुल्क की मात्रा के हिसाब से माँगी गई सूचना के शुल्क के साथ–साथ उसके द्वारा मांगी गई नियम सूचना के लिए आगे के शुल्क को प्रदर्शित करता हुआ विवरण। iii) सूचित करते हुए कि मांगी गई सूचना के निर्गत और शुल्क की अदायगी के बीच का समय तीस दिन की समयावधि में गणना न की जाए। iv) संबंधित को उसके अधिकार की जानकारी देते हुए कि वह देय शुल्क की राशि के साथ मामले का पुनर्विलोकन कर सकता है, पहुँच का तरीका बताना जिसमें अपीलीय प्राधिकारी का विवरण, समयसीमा, प्रक्रिया और अन्य दूसरे तरीके शामिल हैं। a) उपर्युक्त सभी b) (ii) और (iii) c) (i), (ii) और (iv) d) (i), (ii) और (iii)
64.	When the RTI Act come in to force in India? a) 12th October 2005 b) 15th June 2005 c) 12th November 2005 d) 15th March 2005 भारत में सूचना का अधिकार अधिनियम कब लागू हुआ ? a) 12 अक्टूबर, 2005 b) 15 जून, 2005 c) 12 नवम्बर, 2005 d) 15 मार्च, 2005
65.	What type of information may be obtained under the RTI Act? A. Records and documents B. Opinions and advices C. Samples and models

	D. Data material held in any electronic form and information relating to any private body which can't be accessed by a public authority under any other law for the time being in force a) A and B only b) A only c) All of the above d) A, B and C only सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कौन–सी सूचना माँगी जा सकती है ? A. रिकॉर्ड और दस्तावेज B. विचार/राय एवं सलाह C. सैम्पल और मॉडल D. किसी निजी निकाय से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में उपलब्ध आंकड़े और सूचना जो कुछ समय विशेष के लिए किसी अन्य कानून के तहत सार्वजनिक प्राधिकारी की पहुँच से दूर हों। a) केवल A और B b) केवल A c) उपर्युक्त सभी d) केवल A, B और C
66.	Which of the following are true as per RTI Act? a) A public information officer has to offer reasonable assistance to an applicant to reduce an oral application into writing. b) A public information officer is under no obligation to provide a requested information to non-BPL category persons without the payment of application/initial fees. c) A public information officer is under no obligation to provide a requested information to non-BPL category persons without the payment of further fees as specified by her/him. d) All are true. सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत निम्नलिखित में से कौन–से सही है ? a) एक जन सूचना अधिकारी को एक आवेदक के मौखिक आवेदन को लिखित में बदलने में समुचित मदद करनी होती है। b) एक जन सूचना अधिकारी गैर–बीपीएल श्रेणी के व्यक्तियों द्वारा माँगी गई सूचना बिना आवेदन/मूल शुल्क के भुगतान के उपलब्ध करवाने के लिए बाध्य नहीं है। c) एक जन अधिकारी गैर–बीपीएल श्रेणी के व्यक्तियों द्वारा माँगी गई सूचना, बिना उस अन्य शुल्क की अदायगी के जो उन्होंने

	उल्लिखित सूचना माँगी है, उपलब्धता के लिए बाध्य नहीं है। d) सभी सही है।
67.	If the Central Public Information Officer or State Public Information Officer, as the case may be fails to give decision on the request for information with in the period specified under sub section (1) of Section 7 of RTI Act, 2005, the Central Public Information Officer or State Public Information Officer, as the case may be, shall be - a) Given 10 days extra b) Given 5 days extra c) Given 3 days extra d) Deemed to have refused the request. यदि केंद्रीय जन सूचना अधिकारी या राज्य जन सूचना अधिकारी जो भी मामला हो सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 7 अनुभाग (1) के तहत निर्धारित समयसीमा तक वांछित सूचना देने में विफल रहता है तो केंद्रीय जन सूचना अधिकारी या राज्य जन सूचना अधिकारी, जो भी मामला हो, – a) अतिरिक्त 10 दिन देगा b) अतिरिक्त 5 दिन देगा c) अतिरिक्त 3 दिन देगा d) आग्रह अस्वीकृत माना जाएगा।
68.	As per RTI Act, 2005, the meaning of the word "dissemination" is:- a) Method of communication of information to the public. b) Method of calling the information from third party. c) Refuse to disclose the information. d) None of the above. जनसूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के अनुसार 'dissemination' (प्रसारण) का क्या अर्थ है, a) जनसाधारण को सूचना प्रसारण का तरीका। b) अन्य पक्ष से सूचना माँगने का तरीका। c) सूचना प्रकट करने से मनाही। d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
69.	As per Proviso to Section____ the prescribed time of 30 days for providing information reduce to 48 hours. a) 7(1) of the RTI Act, 2005 b) 7(5) of the RTI Act, 2005 c) 8(1) of the RTI Act, 2005 d) 8(3) of the RTI Act, 2005 धारा _____के प्रावधान के तहत सूचना आपूर्ति के लिए निर्धारित 30

	दिन के समय को घटाकर 48 घंटे किया गया है। a) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 7(1) b) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 7(5) c) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 8(1) d) सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 8(3)
70.	What period for the purpose of calculating the period of thirty days is to be excluded where a decision is taken to prove the information on payment of any further fee representing the cost of providing the information by the Central Public Information Officer or State Public Information Officer, as the case may be. a) Intervening period between the dispatch of said intimation and payment of fees shall be excluded. b) Only 5 days shall be excluded. c) There would be no exclusion. d) 15 days would be excluded. केंद्रीय जन सूचना अधिकारी, राज्य जन सूचना अधिकारी, जो भी मामला हो, द्वारा किसी सूचना आपूर्ति का मूल्य दर्शाता हुआ किसी अन्य शुल्क के भुगतान पर आधारित निर्णय लिया जाता है तो इसमें तीस दिन की अवधि की गणना में कौन–सी अवधि शामिल नहीं होती है। a) दी गई सूचना के प्रेषण और शुल्क भुगतान के बीच के समय को छोड़कर। b) केवल 5 दिन का अपवर्जन होगा। c) कोई अपवर्जन नहीं होगा। d) 15 दिन का अपवर्जन होगा।
71.	Which is false: On receipt of an application under RTI Act, 2005, the Public Information Officer (PIO) is require to - a) Provide information as expeditiously as possible and in any case within 30 days of receipt of request. b) Give opportunities of personal hearing in every case. c) Reject the request for any of the reasons specified in section 8 and 9. d) Reject the application if the prescribed fee is not paid. क्या गलत है : सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त आवेदन को जन सूचना अधिकारी (PIO) द्वारा अपेक्षित है – a) जितना जल्दी संभव हो सूचना प्रदान कर देना तथा किसी भी मामले में अनुरोध प्राप्त होने के 30 दिन के अंदर। b) प्रत्येक मामलें में व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर प्रदान करना c) धारा 8 और 9 मे वर्णित कारणों से अनुरोध को अस्वीकार कर

	देना। d) यदि निर्धारित शुल्क का भुगतान नहीं किया गया हो तो आवेदन को अस्वीकार कर देना।
72.	Section 58 of the Transfer of Property Act, 1882 enumerated some classes of mortgages: 1. Simple mortgage 2. Mortgage by conditional sale 3. Usufructuary mortgage 4. English Mortgage 5. Equitable mortgage 6. Anomalous mortgage a) Only (1), (2), (3) are relevant b) Only (2), (3) and (4) are relevant c) Only (4), (5) and (6) are relevant d) All are relevant संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 58 बंधक के प्रकार का प्रगणन/वर्णन करती है : 1. सामान्य बंधक 2. सर्शत विक्रय द्वारा बंधक 3. भोग बंधक 4. अंग्रेज़ी बंधक 5. न्यायसंगत बंधक 6. विलक्षण बंधक a) केवल (1), (2) और (3) सुसंगत हैं b) केवल (2), (3) और (4) सुसंगत हैं c) केवल (4), (5) और (6) सुसंगत हैं d) सभी सुसंगत हैं
73.	Before the commencement of Transfer of Property Act, 1882, the transfer of immovable properties in India were governed by the: a) Principle of English law and Equity b) Indian Registration Act c) British State of Goods Act, 1880 d) Indian Contract Act, 1872 संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 के शुरू होने से पूर्व, भारत मे अचल संपत्ति का अंतरण शासित होते थे : a) इंग्लिश विधि और साम्या के सिद्धांत b) भारतीय पंजीकरण अधिनियम c) ब्रिटिश राज्य वस्तु अधिनियम, 1880 d) भारतीय संविदा अधिनियम, 1872

74.	Under Transfer of Property Act, 1882, where several co-owners of immovable property transfer a share therein without specifying that the transfer is to take effect on any particular share or shares of the transfers, the transfer, as among such transferors, takes effect on such share: a) Inequally where the shares were equal and where they are unequal proportionally to the extent of such shares. b) Equally where the shares were equal and where they are unequal proportionally to the extent of such shares. c) Only (a) is correct. d) None of the above. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 के तहत, जहां अचल संपत्ति के कई सहस्वामी उसमें के किसी अंश को यह विनिर्दिष्ट किए बिना अंतरित करते है कि वह अंतरण उन अंतरकों के किसी विशिष्ट अंश या अंशो पर प्रभावी होना है वहां ऐसा अंतरण, जहां तक कि ऐसे अंतरकों के बीच का संबंध है, वहां ऐसे अंशों पर प्रभावी होगा : a) जहां वे अंश बराबर रूप से नहीं और जहां वे अंश बराबर नहीं थे वहां ऐसे अंशो के विस्तार के अनुपात में प्रभावी होगा। b) जहां वे अंश बराबर थे, वहां बराबर रूप से और जहां वे अंश बराबर नहीं थे वहां ऐसे अंशो के विस्तार के अनुपात में प्रभावी होगा। c) केवल (a) सही है। d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।
75.	State which of the following will hold true regarding exchange under the Transfer of property Act, 1882? a) All the liabilities and responsibilities under normal sale apply to exchange. b) All the liabilities and responsibilities under normal sale apply to exchange, subject to provisions of section 119 and 121 of the Act. c) No liability and responsibility under normal sale will apply to exchange unless specifically stated. d) Liabilities and responsibilities under normal sale will not apply to exchange under any circumstances. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 के तहत, विनियम के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सत्य है? a) सामान्य विक्रय के अंतर्गत सभी देनदारी और उतरदायित्व विनिमय के लिए लागू होगा। b) सामान्य विक्रय के अंतर्गत सभी देनदारी और उतरदायित्व अधिनियम की धारा 119 और 121 के प्रावधानों के तहत विनिमय के लिए लागू होगा। c) सामान्य विक्रय के अंतर्गत कोई भी देनदारी और उतरदायित्व

	विनिमय के लिए लागू नहीं होगा, जब तक विशेष तौर पर कहा न गया हो। d) सामान्य विक्रय के अंतर्गत देनदारी और उतरदायित्व किसी भी दशा में विनिमय के लिए लागू नहीं होगा।
76.	The principle of lis pendens embodied in section 52 of the Transfer of Property Act, 1882 pertains to: a) Bonafide purchase b) Public policy c) Auction sale d) None of the above संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 52 में लिस पेंडेंस ईम्बोडिज का सिद्धांत संबंधित है : a) प्रामाणिक खरीद b) लोक नीति c) निलामी बिक्री d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
77.	The provision for the joint transfer for consideration is dealt in: a) Section 45 of the Transfer of property Act, 1882 b) Section 46 of the Transfer of Property Act, 1882 c) Section 40 of the Transfer of Property Act, 1882 d) None of the above संयुक्त प्रतिफल अंतरण का प्रावधान संबंध रखता है : a) संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 45 से b) संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 46 से c) संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 40 से d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
78.	Under the Transfer of Property Act, 1882, what does the doctrine of constructive notice protect against? a) Fraudulent transfers b) Unregistered property transactions c) Hidden defects in the property d) None of the above संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 के तहत आन्वायिक नोटिस का सिद्धांत किसके खिलाफ सुरक्षा प्रदान करता है : a) कपटपूर्ण अंतरण b) अरजीस्ट्रीकृत संपत्ति का लेन–देन c) संपत्ति में छुपी त्रुटियां d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

79.	In which of the following situations would the doctrine of part performance be not applicable? a) Payment of the part of the consideration. b) Possession of the property by the transferee. c) Existence of a written agreement. d) Non- registration of the agreement. निम्नलिखित में से कौन सी दशा में आंशिक निष्पादन का सिद्धांत लागू नहीं होगा ? a) प्रतिफल का आंशिक का भुगतान। b) अंतरिती के द्वारा संपत्ति पर कब्जा। c) लिखित करार का होना। d) करार का पंजीकृत न होना।
80.	Section 5 of the Transfer of Property Act, 1882: a) Applies to property sold in auction sale. b) Does not apply to property sold in auction sale. c) Applies to compromise of doubtful debts. d) Does not apply to compromises of doubtful debts. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 5 : a) निलामी बिक्री में बेची गई संपत्ति पर लागू होती है। b) निलामी बिक्री में बेची गई संपत्ति पर लागू नहीं होती हैं। c) संदिग्ध कर्ज संबंधी समझौते पर लागू होती है। d) संदिग्ध कर्ज संबंधी समझौते पर लागू नही होती है।
81.	Under the Transfer of Property Act, 1882, vested interest is a) Defeated by the death of the transferor b) Defeated by the death of the transferee c) Either (a) or (b) d) Neither (a)or (b) संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 के तहत निहित स्वार्थ है : a) अंतरितक के मृत्यु द्वारा विफल b) अंतरिती के मृत्यु द्वारा विफल c) या तो (a) या (b) d) न तो (a) न ही (b)
82.	A notice by the landlord to the tenant asking him to vacate the premises without specifying that the tenancy has been terminated:- a) Is valid under the provisions of Transfer of Property Act. b) Is invalid under the provisions of Transfer of Property Act. c) Maybe valid under the provisions of Transfer of Property Act depending on the content of notice. d) Maybe valid under the provisions of Transfer of Property Act depending on

	the intention of the landlord. मकान मालिक द्वारा किरायेदारी समाप्ति संबंधी कोई विशेष कारण का उल्लेख किए बिना किरायेदार को भवन खाली करने संबंधी नोटिस देना:– a) संपत्ति अंतरण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मान्य है। b) संपत्ति अंतरण अधिनियम के प्रावधानों के तहत अमान्य है। c) संपत्ति अंतरण अधिनियम के प्रावधानों के तहत नोटिस में वर्णित विषय वस्तु पर मान्य हो सकता है। d) संपत्ति अंतरण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मकानमालिक की नीयत की निर्भरता पर मान्य हो सकता है।
83.	The part performance in Transfer of Property is provided in a) Section 53A of Transfer of Property Act. b) Section 53 of Indian Partnership Act. c) Section 53 of Indian Registration Act, 1908. d) Section 53 of Specific Relief Act, 1908. संपत्ति अंतरण में भागिक पालन किस धारा में दिया गया है a) संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा 53A b) भारतीय साझेदारी अधिनियम की धारा 53 c) भारतीय पंजीकरण अधिनियम, १९०८ की धारा 53 d) विशेष सहायता अधिनियम, १९०८ की धारा 53
84.	The provisions of section 53 of Transfer of Property Act are not affected by any provisions of : a) Sale of Goods Act, 1930 b) Indian Registration Act, 1908 c) Specific Relief Act, 1963 d) Benami Transactions Prohibition Act, 1988 संपत्ति अंतरण अधिनियम की धारा ५३ का प्रावधान ..... की किसी भी धारा से प्रभावित नहीं होता है? a) वस्तु विक्रय अधिनियम, १९३० b) भारतीय पंजीकरण अधिनियम, १९०८ c) विशेष सहायता अधिनियम, १९६३ d) बेनामी लेनदेन निषेध अधिनियम, १९८८
85.	Under the provisions of Section 53 of the Transfer of Property Act, 1882, the relinquishment by one co- parcener in favour of another cannot be said to be a transfer unless: a) It is found to be a device to evade Creditors b) It is found to be a device to evade Debtors c) It is to be a device to evade the Government policy d) None of the above

	संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 53 के अनुसार, किसी एक सहदायी द्वारा दूसरे सहदायी के पक्ष में किय गया त्यजन तब तक अंतरण नहीं हा जा सकता, जब तक कि :– a) इसे लेनदारों से बवाच की तरीके की तरह प्रयोग किया जाना पाया गया हो। b) इसे देनदारों से बचाव के तरीके की तरह प्रयोग किया जाना पाया गया हो। c) इसे सरकारी नीति से बचने के तरीके की तरह प्रयोग किया गया है d) उपरोक्त में से कोई नहीं
86.	Which of the following terms is defined in Section 3 of the Indian Trusts Act, 1882? A. Trust Property B. Instrument of Trust C. Beneficiary D. Beneficial Interest Kindly choose the correct option from below: a) (A) and (C) are correct b) (A), (B) and (C) are correct c) Only (A) is correct d) All are correct भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 3 में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख है ? A. न्यास संपत्ति B. न्यास का लिखत C. लाभार्थी D. लाभकारी हित कृपया निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनें: a) (A) और (C) सही हैं b) (A), (B) और (C) सही हैं c) केवल (A) सही हैं d) सभी सही हैं
87.	Section 4 of the Indian Trusts Act, 1882, enumerates certain conditions under which the purpose of a trust is considered unlawful. Which of the following scenarios best illustrates an unlawful trust purpose under this section? a) A trust established to fund the education of underprivileged children. b) A trust created to promote research in alternative energy sources. c) A trust formed to support an unregistered political party in its illegal activities. d) A trust aimed at preserving historical monuments.

	भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 4 कुछ शर्तों को निर्धारित करती है, जिसमें न्यास का उद्देश्य विधिविरुद्ध समझा जाता है। इस धारा के तहत निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प न्यास के उद्देश्य को निति विरुद्ध दिखाता है ? a) पिछड़े वर्ग के बच्चों की शिक्षा के लिए धन एकत्रित करने के लिये न्यास की स्थापना। b) वैकल्पिक उर्जा स्रोतों में अनुसंधान को बढ़ाने के लिए एक न्यास बनाया जाना। c) एक गैर पंजीकृत राजनैतिक पार्टी को उसके गैर कानूनी कामों में सहायता के लिए एक न्यास बनाया जाना। d) ऐतिहासिक संमारकों के रखरखाव के लिए एक न्यास का बनाया जाना।
88.	**Consider the following situation**: An individual declares a trust over certain immovable property, intending to benefit a future spouse of their friend, who is currently unmarried. Under Section 4 of the Indian Trusts Act, 1882, what is the status of this trust? a) The trust is valid as declared. b) The trust is invalid because the beneficiary is not currently in existence. c) The trust is valid only if the future spouse consents. d) The trust is invalid because immovable property cannot be subject to a future interest. **निम्नलिखित परिप्रेक्ष्य को ध्यान से पढिये** : एक व्यक्ति किसी अचल संपत्ति को न्यास में परिवर्तित करने की घोषणा करता है, जिसका उसके दोस्त, जो अभी अविवाहित है की होने वाली पत्नी के लाभ के लिये प्रयोग किया जाएगा। भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 के धारा 4 के तहत इस न्यास की स्थिति क्या होगी ? a) जैसा कि घोषित किया गया है न्यास विधिमान्य है। b) न्यास विधि अमान्य है क्योंकि लाभार्थी वर्तमान मे अस्तित्व में है ही नहीं। c) न्यास केवल उसी समय विधिमान्य होगी यदि भविष्य में होने वाले जीवन साथी की सहमति हो। d) न्यास विधि अमान्य है, क्योंकि अचल संपत्ति भविष्य के हित की विषयवस्तु नहीं हो सकती।
89.	Under Section 11 of the Indian Trusts Act, 1882, in which of the following situations is a trustee NOT bound to obey the directions given by the author of the trust? A. When the directions are impracticable to carry out. B. When the directions contradict the law. C. When the directions are detrimental to the interests of the beneficiary. D. When the trustee personally disagrees with the directions.

	Kindly choose the correct option from below: a) (A) and (C) are correct b) (A), (B) and (C) are correct c) Only (C) is correct d) All are correct भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 11 के तहत निम्नलिखित में से कौन सी अवस्था में न्यासी, न्यायसकर्ता के दिए गए निदेश को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है? A. जब निदेश पालन के लिए अव्यावहारिक हों B. जब निदेश गैर–कानूनी हों C. जब निदेश लाभार्थी के हितों के लिए अवधारित हों D. जब न्यासी व्यक्तिगत रूप से निदेश से असहमत हों कृपया निम्नलिखित मे सही विकल्प चुनें। a) (A) और (C) सही हैं b) (A), (B) और (C) सही हैं c) केवल (C) सही है d) सभी सही हैं
90.	According to Section 19 of the Indian Trusts Act, 1882, what is the trustee obligated to provide to the beneficiary? A. Only annual reports B. Information and accounts of the trust property C. Legal advice D. Personal financial details of the trustee Kindly choose the correct option from below: a) (A) and (C) are correct b) (A), (B) and (C) are correct c) Only (B) is correct d) All are correct भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 19 के तहत न्यासी लाभार्थी को क्या देने के लिए बाध्य है? A. केवल वार्षिक रिपोर्ट B. न्यास संपत्ति की सूचना और लेखा–जोखा C. विधिक सलाह D. न्यासी का निजी वितीय विवरण कृपया निम्नलिखित मे उचित विकल्प चुनें। a) (A) और (C) सही हैं b) (A), (B) और (C) सही हैं

	c) केवल (B) सही है d) सभी सही हैं
91.	Under Section 11 of the Indian Trusts Act, 1882, a trustee is not bound to obey the directions of the author of the trust in which of the following situations? A. When the directions are illegal. B. When the directions are impracticable. C. When the directions result in a breach of trust. D. When the directions are not in the best interest of the beneficiaries. Kindly choose the correct option from below: a) (A) and (C) are correct b) (A), (B) and (C) are correct c) Only (A) is correct d) All are correct भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 11 के तहत निम्नलिखित में से किस अवस्था में न्यासी, न्यासकर्ता के निदेश को स्वीकार करने के लिए बाध्य नहीं है? A. जब निदेश अवैध हो। B. जब निदेश अव्यवहारिक हो। C. जब निदेश के परिणामस्वरूप न्यास भंग होती हो। D. जब निदेश लाभार्थी के हितों के विरूद्ध हो। कृपया निम्नलिखित में सही विकल्प चुनें। a) (A) और (C) सही हैं b) (A), (B) और (C) सही हैं c) केवल (A) सही है d) सभी सही हैं
92.	According to Section 20 of the Indian Trusts Act, 1882, trustees can invest trust property in specified securities. Which of the following are permitted investments under this section? A. Government securities. B. Shares of a public limited company listed on a recognized stock exchange having market Cap of 3000 crores C. Units of mutual funds specified by the government. D. Real estate properties generating rental income. E. Basel III Tier-I bonds issued by a scheduled commercial bank under guidelines issued by the Reserve Bank of India F. Units of debt mutual funds regulated by the Securities and Exchange Board of India Kindly choose the correct option from below:

	a) (A), (C) and (D) are correct b) (A), (B) and (C) are correct c) (A), (C), (E) and (F) are correct d) All are correct भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 20 के अनुसार न्यासी, न्यास संपत्ति को विशेष प्रतिभूतियों में निवेश कर सकता है। इस धारा के तहत निम्नलिखित में से किनमें निवेश की अनुमति है ? A. सरकारी प्रतिभूतियां। B. मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध पब्लिक लिमिटेड कंपनी के शेयर जिनकी बाजारी पूंजी 3,000/– करोड़ की हो। C. सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट म्यूच्यूल फंड के ईकाईयां D. किराया देने वाली रियल एस्टेट संपत्तियां E. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा जारी बेसल– III, टायर– I बॉंड F. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा नियंत्रित डेप्ट म्यूच्यूल फण्ड की ईकाईयां। कृपया निम्नलिखित मे उचित विकल्प चुनें। a) (A), (C) और (D) सही हैं b) (A), (B) और (C) सही है c) (A), (C), (E) और (F) सही हैं d) सभी सही है
93.	Under Section 23 of the Indian Trusts Act, 1882, a trustee is accountable for: A. Loss caused by his willful default. B. Loss caused by the mismanagement of trust funds. C. Loss caused by a breach of the trust terms. D. Loss caused by natural disasters affecting the trust property. Kindly choose the correct option from below : a) (A) and (D) are correct b) (A) and (B) are correct c) (A), (B) and (C) are correct d) All are correct भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 23 के अंतर्गत एक न्यासी ..... के लिए उत्तरदायी है: A. उसके द्वारा जानबूझकर किए गए व्यतिक्रम के कारण हुई हानि B. न्यास निधि के कुप्रबंधन के कारण हुई हानि C. न्यास की शर्तों के भंग होने के कारण हुई हानि D. न्यास की संपत्ति को प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के कारण हुई हानि

	कृपया निम्न में से सही विकल्प का चयन करें: a) (A) और (D) सही हैं b) (A) और (B) सही हैं c) (A), (B) और (C) सही हैं d) सभी सही हैं
94.	According to Section 58 of the Indian Trusts Act, 1882, a beneficiary can transfer his interest in the trust property under which of the following conditions? A. When the trust deed permits such transfer. B. When the transfer is made with consideration. C. When the transfer does not affect the interests of other beneficiaries. D. When the trust property is movable. Kindly choose the correct option from below a) (A) and (C) are correct b) (A) and (B) are correct c) (A), (B) and (C) are correct d) All are correct भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 58 के अनुसार एक हितभागी निम्नलिखित में से किन परिस्थतियों में न्यास की संपत्ति में अपने हित का अंतरण कर सकता है: A. जब न्यास विलेख के अनुसार ऐसे अंतरण की अनुमति हो। B. जब अंतरण प्रतिफल सहित किया गया हो। C. जब अंतरण अन्य हितभागियों के हितों को प्रभावित नहीं करता हो। D. जब न्यास की संपत्ति 'चल' हो। कृपया निम्न में से सही विकल्प का चयन करें: a) (A) और (C) सही हैं b) (A) और (B) सही हैं c) (A), (B) और (C) सही हैं d) सभी सही हैं
95.	Mr. A, a diamond merchant , bequeaths his property to Mr. B in trust for C and appoints B his sole executor, and dies. Mr. B enters into partnership with Mr. X and Mr. Y in the same trade, and employs A's assets in the partnership-business. B gives an indemnity to X and Y against the claims of C. Please consider the statements below with reference to Section 67 of the Indian Trusts Act, 1882 ? A. The above transaction constitutes a breach of trust. B. Only B is liable to C. C. Only X and Y are liable to C. D. B, X and Y are liable to C. Kindly choose the correct option from below

	a) (A) and (C) are correct b) (A) and (D) are correct c) (A), (B) and (C) are correct d) All are correct श्री A, जो एक हीरा व्यापारी है, ने C के लिए अपनी संपत्ति को न्यास में B को वसीयत में दी और B को उसका एकमात्र निष्पादक नियुक्त किया और मर गया। B साझेदारी X और Y के साथ उसी व्यापार में प्रवेश करता है और A की आस्तियों को साझेदारी के व्यापार में उपयोग करता है। C के दावों के विरूद्ध B, X और Y की क्षतिपूरित रखता है। भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 67 के संदर्भ मे निम्न कथनों पर विचार करें:– A. उपर्युक्त संव्यवहार न्यास भंग करता है। B. केवल B ही, C के लिए उत्तरदायी है। C. केवल X और Y ही, C के लिए उत्तरदायी है। D. B, X और Y, C के लिए उत्तरदायी है। कृपया निम्न में से सही विकल्प का चयन करें: a) (A) और (C) सही हैं b) (A) और (D) सही हैं c) (A), (B) और (C) सही हैं d) सभी सही हैं
96.	Section 58 of the Indian Trusts Act, 1882, relates to the right of a beneficiary to transfer his interest. Under which of the following circumstances can a beneficiary NOT transfer his interest? a) When the trust deed expressly prohibits such transfer. b) When the transfer is made without consideration. c) When the transfer is to another beneficiary under the same trust. d) When the trust property is immovable. भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 58, हितभागी के हित के अंतरण के अधिकार से संबंधित है। निम्नलिखित में से किन परिस्थितियों में हितभागी अपने हित का अंतरण नहीं कर सकता है a) जब न्यास विलेख स्पष्ट रूप से ऐसे अंतरण को निषिद्ध करता हो। b) जब अंतरण बिना प्रतिफल के किया गया हो। c) जब अंतरण, उसी न्यास के किसी अन्य हितभागी को किया गया हो। d) जब न्यास की संपत्ति 'अचल' हो।
97.	Section 20 of the Indian Trusts Act, 1882, deals with the power to invest in savings certificates. Which of the following conditions must be met for trustees to invest trust funds in savings certificates?

	a) The investment must be authorized by the beneficiaries. b) The investment must be explicitly mentioned in the trust deed. c) The investment must be approved by a court. d) The investment must be in the name of the trustee. भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 20 बचत योजनाओं में निवेश के संबंध में है। न्यासियों के लिए न्यास निधि को बचत योजनाओं/प्रमाणपत्रों में निवेश करने के लिए निम्नलिखित में से किन शर्तों को पूरा किया जाना आवश्यक हैं ? a) निवेश हितभागियों द्वारा प्राधिकृत होना चाहिए। b) न्यास विलेख में निवेश का स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए। c) निवेश न्यायालय द्वारा अनुमोदित होना चाहिए। d) निवेश न्यासी के नाम होना चाहिए।
98.	According to Section 20 of the Indian Trusts Act, 1882, trustees can invest trust property in certain specified securities. Which of the following is NOT a permitted investment under this section? a) Government securities. b) Shares of a private limited company. c) Debentures issued by a listed public company. d) Units of mutual funds approved by the government. भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 20 के अनुसार न्यासी, न्यास संपत्ति को वर्णित निर्दिष्ट प्रतिभूतियों में निवेश कर सकता है। इस धारा के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन से निवेश की अनुमति नहीं है ? a) सरकारी प्रतिभूतियों में। b) प्राईवेट लिमिटेड कंपनी के शेयरों में। c) सूचीबद्ध पब्लिक कंपनी द्वारा जारी डिबेंचरों में। d) सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त म्यूचुअल फंडस की ईकाईयों में।
99.	Under Section 85, if a bequest is made for an illegal purpose, what happens to the property? a) It is forfeited to the Government. b) It reverts to the estate of the deceased. c) It is given to the nearest heir. d) It is auctioned off. धारा 85 के अंतर्गत यदि वसीयत किसी गैर कानूनी प्रयोजन के लिए की गई है तो संपत्ति का क्या होता है ? a) उसको सरकार द्वारा जब्त कर लिया जाता है। b) वह मृतक की संपदा में प्रत्यावर्तित हो जाती है। c) उसे निकटतम वारिस को दे दिया जाता है। d) उसकी नीलामी कर दी जाती है।

100.	Section 64 of the Indian Trusts Act, 1882, does NOT apply to which of the following scenarios? a) A person who purchased trust property without knowledge of the trust. b) A person who inherited trust property. c) A person who bought trust property in good faith and for valuable consideration. d) A person who acquired trust property without any consideration. भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 की धारा 64 निम्नलिखित में से किन परदृश्यों में लागू नहीं होती a) एक व्यक्ति जिसने न्यास के संज्ञान बिना न्यास की संपत्ति खरीदी हो। b) एक व्यक्ति जिसको विरासत में न्यास संपत्ति प्राप्त हुई हो। c) एक व्यक्ति जिसने सद्भाव में तथा मूल्यवान प्रतिफल में संपत्ति खरीदी हो। d) एक व्यक्ति, जिसने प्रतिफल के बिना, न्यास संपत्ति खरीदी हो।

*****